(ग) उज्जन, मांडु, ओरछा और भोपाल, मध्य प्रदेश के पिछड़े इलाकों में नहीं आते हैं ।

(घ) केन्द्र सरकार ने मध्य प्रदेश में मेलों और उत्सवों का आयोजन करने के लिये वर्ष 1994–95 के दौरान 6.05 लाख रु० की राशि स्वीकृत की है । वर्ष 1995–96 के दौरान मध्य प्रदेश राज्य सरकार से केन्द्रीय सहायता हेतु कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

Discontinuance of Vayudoot Services in Gujarat

4295. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE:
SHRI CHIMANBHAI HARIBHAI SHUKLA:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Vayudoot Services have been discontinued at many air-strips in Gujarat in the recent period;

(b) if so, what are the reasons therefor;

(c) whether the State Government have offered to provide land for development and expansion of the airsteps as well as to share expenditure to be incurred thereon for the resumption on these services;

(d) if so, what are the details thereof; and

(e) what is the present status in regard to the resumption of Vayudoot Services from these airstrips in the State?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) and (b) Yes, Sir. Vayudoot services in Gujarat have been discontinued on account of commercial and operational constraints.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise;

(e) Vayudoot has not immediate plans to resume services in Gujarat.

निजी क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन का निर्माण

4296. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे :**
श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल :

क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश में निजी क्षेत्र में प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन का निर्माण करने की स्वीकृति प्रदान करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) प्रस्तावित विमानपत्तन का निर्माण किस राज्य में किया जायेगा;

(घ) उसकी अनुमानित लागत कितनी है ;

(ङ) क्या किसी राज्य सरकार ने इस प्रस्तावित विमानपत्तन के लिये सभी सुविधायें प्रदान करने की पेशकश की है ; और

(च) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इसका निर्माण कार्य कब तक पूरा हो जायेगा?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) से (च) भारत सरकार ने कर्नाटक राज्य के बंगलौर शहर में किसी निजी पार्टियों के सहयोग से तथा केरल के कोचीन शहर में अनिवासी भारतीयों एवं जनता से एकत्र की जाने वाली धनराशि से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के विमानपत्तन बनाने हेतु अपनी "अनापत्ति" दे दी है । संबंधित राज्य सरकारों की परियोजनाओं एवं अन्य निश्चित कार्यों की लागत तय करनी है । भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण तकनीकी सहायता देगा । इस अवस्था